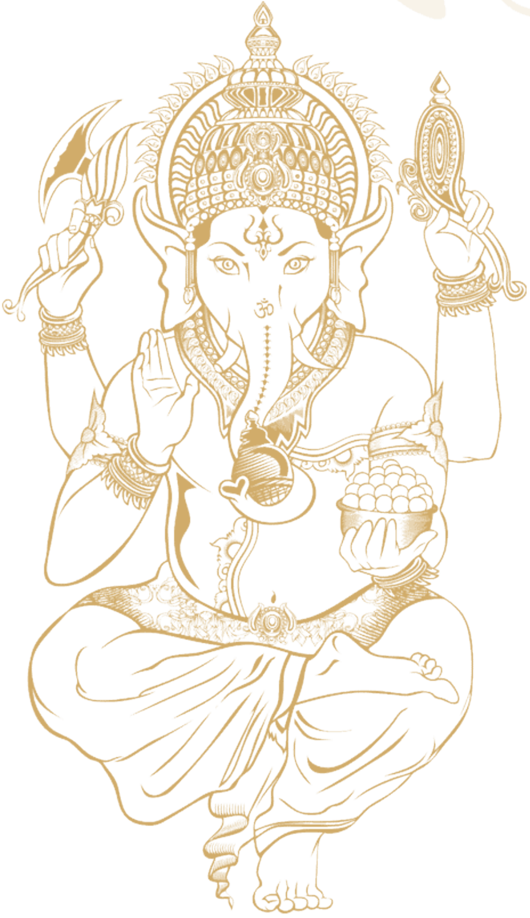

Vridhi Rathor

17 May 2018

11:41 AM

Bilaspur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120282413

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**17/05/2018**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**11:41:00 घंटे**
इष्ट	15:48:59 घटी
स्थान	**Bilaspur**
राज्य	Chhattisgarh
देश	India

अक्षांश	22:03:00 उत्तर
रेखांश	82:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:39:48 घंटे
वेलान्तर	00:03:36 घंटे
साम्पातिक काल	03:19:24 घंटे
सूर्योदय	05:21:24 घंटे
सूर्यास्त	18:34:05 घंटे
दिनमान	13:12:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	02:11:44 वृष
लग्न के अंश	29:06:13 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सुकर्मा
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वे-वैशाली
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	29:06:13	324:03:22	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			वृष	02:11:44	00:57:51	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	26:19:35	14:42:45	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मूलत्रिकोण
मंगल			मक	06:17:58	00:23:08	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	उच्च राशि
बुध			मेष	11:51:46	01:40:01	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
गुरु	व		तुला	23:12:16	00:07:29	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	03:08:45	01:11:56	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		धनु	14:22:10	00:02:40	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कर्क	14:27:59	00:07:23	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	14:27:59	00:07:23	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	05:58:35	00:03:10	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	---
नेप			कुंभ	22:05:36	00:01:03	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	---
प्लूटो	व		धनु	27:01:58	00:00:41	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
दशम भाव			मेष	28:08:57	--	कृतिका	--	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:35

लग्न-चलित

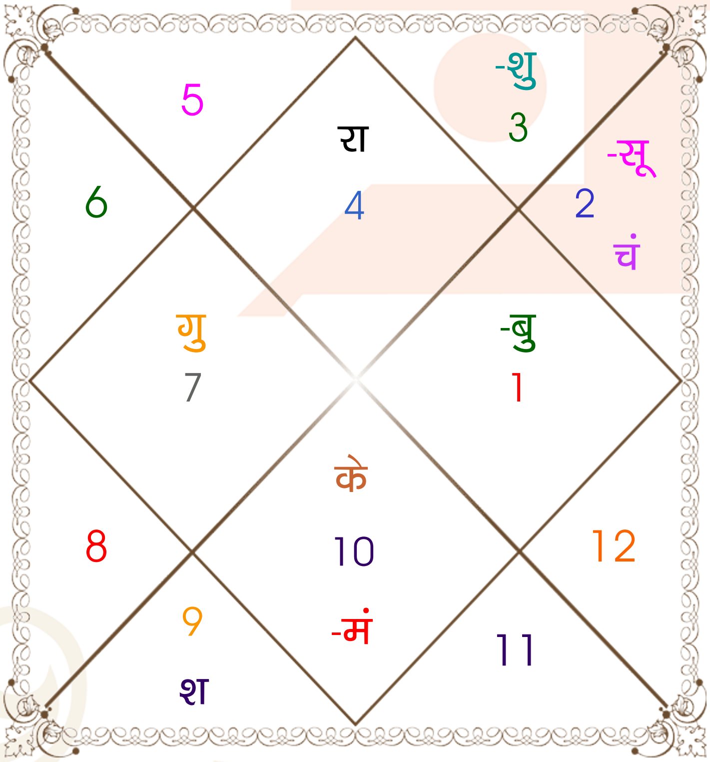

चन्द्र कुंडली

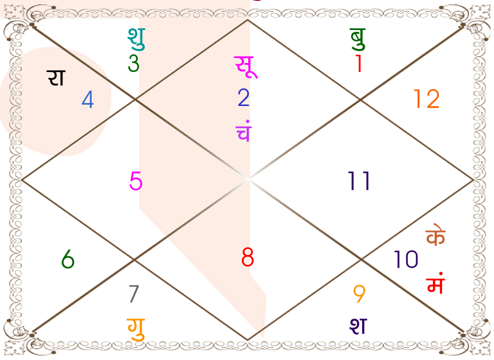

नवमांश कुंडली

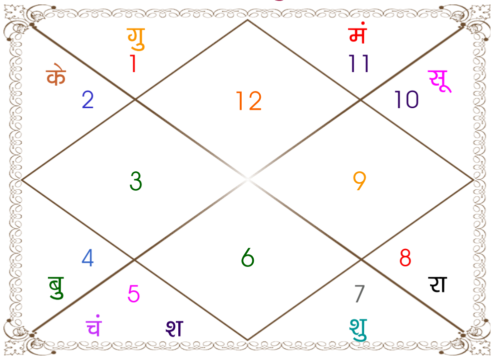

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 5 मास 4 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
17/05/2018		21/10/2023		20/10/2041		20/10/2057		20/10/2076	
21/10/2023		20/10/2041		20/10/2057		20/10/2076		20/10/2093	
	00/00/0000	राहु	03/07/2026	गुरु	08/12/2043	शनि	23/10/2060	बुध	19/03/2079
	17/05/2018	गुरु	26/11/2028	शनि	21/06/2046	बुध	03/07/2063	केतु	15/03/2080
गुरु	13/03/2019	शनि	03/10/2031	बुध	26/09/2048	केतु	11/08/2064	शुक्र	14/01/2083
शनि	20/04/2020	बुध	21/04/2034	केतु	02/09/2049	शुक्र	12/10/2067	सूर्य	20/11/2083
बुध	18/04/2021	केतु	09/05/2035	शुक्र	03/05/2052	सूर्य	23/09/2068	चंद्र	21/04/2085
केतु	14/09/2021	शुक्र	09/05/2038	सूर्य	19/02/2053	चंद्र	24/04/2070	मंगल	18/04/2086
शुक्र	14/11/2022	सूर्य	03/04/2039	चंद्र	21/06/2054	मंगल	03/06/2071	राहु	04/11/2088
सूर्य	22/03/2023	चंद्र	02/10/2040	मंगल	28/05/2055	राहु	09/04/2074	गुरु	10/02/2091
चंद्र	21/10/2023	मंगल	20/10/2041	राहु	20/10/2057	गुरु	20/10/2076	शनि	20/10/2093

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
20/10/2093		21/10/2100		21/10/2120		22/10/2126		21/10/2136	
21/10/2100		21/10/2120		22/10/2126		21/10/2136		00/00/0000	
केतु	18/03/2094	शुक्र	21/02/2104	सूर्य	08/02/2121	चंद्र	22/08/2127	मंगल	19/03/2137
शुक्र	19/05/2095	सूर्य	20/02/2105	चंद्र	09/08/2121	मंगल	22/03/2128	राहु	07/04/2138
सूर्य	23/09/2095	चंद्र	22/10/2106	मंगल	15/12/2121	राहु	21/09/2129	गुरु	18/05/2138
चंद्र	23/04/2096	मंगल	22/12/2107	राहु	09/11/2122	गुरु	21/01/2131		00/00/0000
मंगल	20/09/2096	राहु	21/12/2110	गुरु	28/08/2123	शनि	21/08/2132		00/00/0000
राहु	08/10/2097	गुरु	21/08/2113	शनि	09/08/2124	बुध	21/01/2134		00/00/0000
गुरु	14/09/2098	शनि	21/10/2116	बुध	15/06/2125	केतु	22/08/2134		00/00/0000
शनि	24/10/2099	बुध	22/08/2119	केतु	21/10/2125	शुक्र	21/04/2136		00/00/0000
बुध	21/10/2100	केतु	21/10/2120	शुक्र	22/10/2126	सूर्य	21/10/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 5 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा की भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहती है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति की प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगीं यह आप ही जानती हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान की ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करती हैं। आप कुशाग्रबुद्धि की प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखती।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए की नीति अपनाती हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपनी व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकती हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकती हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी।

आप औसतन लम्बी छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकती हैं और आप बेढंगी चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करती रही तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगी तथा आप असामान्य दिखने लगेंगी। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगी। आपके शरीर का

समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकती हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।